

## केन्द्रीय विद्यालय मुल्लांपुर गरीबदास

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षकों द्वारा संचालित एफएलएन गतिविधियाँ

केवी मुल्लानपुर स्कूल में आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों को मज़ेदार और आकर्षक तरीके से बुनियादी आधारभूत अवधारणाओं और संख्यात्मक कौशल से परिचित कराना है। छात्रों के साथ प्राथमिक अनुभाग में आयोजित एफएलएन गतिविधियों के कुछ उदाहरण यहां दिए गए हैं:

### संख्या बोध

1. गिनती के खेल: वस्तुओं, उंगलियों या संख्याओं को गिनें।
2. संख्या अनुरेखण: संख्या 1-100 का अनुरेखण करें।
3. संख्या पहचान: 1-100 तक की संख्याएं पहचानें।
4. संख्या अनुक्रमण: अनुक्रम संख्या 1-100.

### जोड़ना और घटाना

1. संख्या रेखाएँ: वस्तुओं को संख्या रेखा के अनुदिश ले जाएँ।
2. आधार-दस ब्लॉक: ब्लॉकों का उपयोग करके संख्याएँ बनाएँ।
3. आगे/पीछे की गिनती: किसी संख्या से आगे/पीछे की गिनती करें।
4. सरल जोड़/घटाव: वास्तविक जीवन परिदृश्यों का उपयोग करें।

### आकृतियाँ और पैटर्न

1. आकार पहचान: मूल आकार पहचानें।
2. पैटर्न ब्लॉक: आकृतियों का उपयोग करके पैटर्न बनाएं।
3. ज्यामिति खोज अभियान: कक्षा में आकृतियाँ ढूँढ़ें।
4. आकार छँटाई: विशेषताओं के आधार पर आकृतियों को छँटें।

### माप

1. लंबाई माप: इकाइयों का उपयोग करके वस्तुओं को मापें।
2. वजन माप: वजन की तुलना करें।
3. क्षमता माप: क्षमताओं की तुलना करें।
4. समय मापन: घंटे/आधे घंटे में समय बताएं।

### डेटा विश्लेषण

1. सरल ग्राफ: बार ग्राफ बनाएं और व्याख्या करें।
2. चित्र ग्राफ: चित्र ग्राफ बनाएं और उनकी व्याख्या करें।
3. डेटा सॉर्टिंग: विशेषता के आधार पर डेटा सॉर्ट करें।
4. बुनियादी सांख्यिकी: बुनियादी अवधारणाओं (माध्य, माध्यिका) को समझें।

## धन और समय

1. सिक्का पहचान: सिक्कों की पहचान करें।
2. सिक्के गिनना: सिक्के गिनें।
3. समय बताना: घंटे/आधे घंटे तक का समय बताना।
4. बुनियादी बजट: सरल बजट अवधारणाओं का परिचय दें।

## मानसिक गणित

1. सरल गणना: मानसिक रूप से जोड़/घटाव का अभ्यास करें।
2. संख्या बंधन: संख्या संबंधों की पहचान करें।
3. आकलन: मात्रा का अनुमान लगाएं।

## वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग

1. खरीदारी: बदलाव लाने का अभ्यास करें।
2. समय बताना: समय-सारिणी और टाइमटेबल का उपयोग करें।
3. खाना पकाने में माप: सामग्री को मापें।
4. डेटा संग्रहण: डेटा एकत्रित करें और उसका विश्लेषण करें।

## खेल और डिजिटल उपकरण

1. गणित ऐप्स (जैसे, मैथ गेम्स, खान अकादमी किड्स)
2. ऑनलाइन गणित खेल (जैसे, कूलमैथ, मैथ प्लेग्राउंड)

## गतिविधि पत्रक

1. संख्या अनुरेखण कार्यपत्रक
2. सरल जोड़/घटाव कार्यपत्रक
3. आकार पहचान कार्यपत्रक
4. माप रूपांतरण कार्यपत्रक
5. डेटा विश्लेषण कार्यपत्रक

## ध्वन्यात्मकता और डिकोडिंग:

1. शब्द निर्माण: सरल शब्द बनाने के लिए चुंबकीय अक्षरों या अक्षर कार्ड का उपयोग करें।
2. ध्वनि मिश्रण: ध्वनि को अलग-अलग करके शब्दों को पढ़ें, और छात्रों से उन्हें मिलाने के लिए कहें।
3. डिकोडेबल पाठ्य सामग्री: छात्रों को डिकोडिंग का अभ्यास करने के लिए सरल शब्दावली वाली पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराएं।
4. शब्द परिवार: समान पैटर्न वाले शब्दों को पढ़ें और पहचानें (जैसे, -at, -an)।

## शब्दावली विकास:

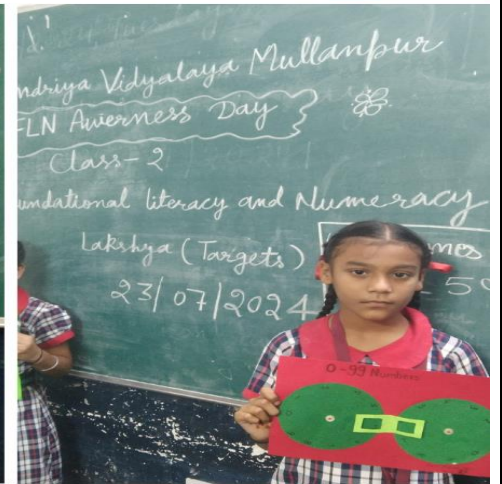
1. चित्र-शब्द मिलान: चित्रों को संबंधित शब्दावली शब्दों से मिलाएं।
2. शब्द खोज: कक्षा-स्तरीय शब्दावली के साथ शब्द खोज बनाएँ।
3. संदर्भ संकेत: शब्दों के अर्थ जानने के लिए संदर्भ संकेत के साथ अनुच्छेद पढ़ें।
4. शब्दावली बिंगो: शब्दावली शब्दों के साथ बिंगो खेलें।

## समझने की रणनीतियाँ:

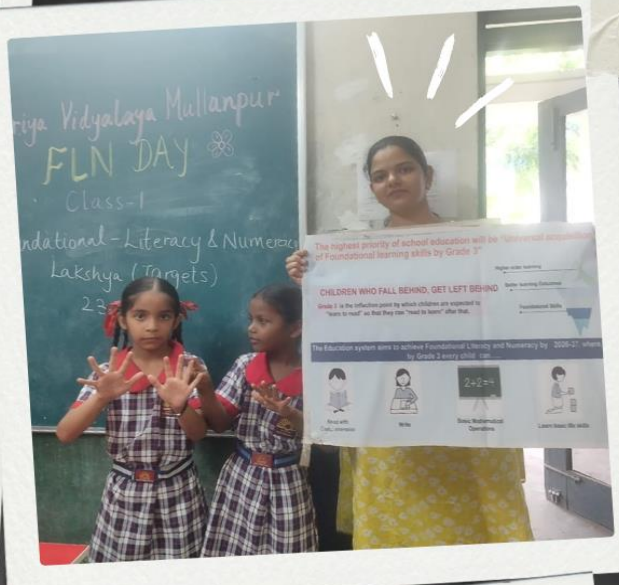
1. पुनर्कथन: एक पाठ पढ़ें और विद्यार्थियों से उसे अपने शब्दों में पुनर्कथन करने को कहें।
2. सारांश बनाना: मुख्य विचारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाठ का सारांश बनाएं।
3. दृश्यांकन: किसी पाठ को चित्र या आरेख द्वारा चित्रित करें।
4. प्रश्न पूछना: कोई पाठ पढ़ें और खुले प्रश्न पूछें।

## प्रवाह अभ्यास:

1. सस्वर पाठ: पाठ को अभिव्यक्ति और सटीकता के साथ सस्वर पाठ करें।
2. रीडर्स थिएटर: सरल स्क्रिप्ट या कहानियों का अभिनय करें।
3. सामूहिक वाचन: कक्षा के साथ मिलकर पाठ पढ़ें।







विद्यालय में एनईपी 2020 को लागू करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं

पाठ्यक्रम सुधार:

1. शामिल करना:

- भारतीय विरासत, संस्कृति और मूल्य
- पर्यावरण शिक्षा
- व्यायाम शिक्षा
- कला और शिल्प
- व्यावसायिक कौशल

2. जोर:

- महत्वपूर्ण सोच
- समस्या को सुलझाना
- संचार
- सहयोग

शैक्षणिक सुधार:

1. रटने की बजाय अनुभवात्मक शिक्षा की ओर कदम बढ़ाएं।

2. उपयोग:

- प्रौद्योगिकी-संवर्धित शिक्षा
- डिजिटल संसाधन
- परियोजना-आधारित शिक्षा

3. ध्यान केंद्रित करें:

- व्यक्तिगत शिक्षा
- सहकर्मी से सहकर्मी सीखना

मूल्यांकन सुधार:

1. योगात्मक से रचनात्मक मूल्यांकन की ओर बदलाव।

2. परिचय:

- योग्यता-आधारित प्रगति

- आत्म मूल्यांकन

- समकक्ष मूल्यांकन

शिक्षक प्रशिक्षण एवं विकास:

1. सतत व्यावसायिक विकास।

2. प्रशिक्षण:

- शिक्षा शास्त्र

- प्रौद्योगिकी एकीकरण

- समावेशी शिक्षा

शिक्षकों के प्रशिक्षण और कार्यशाला की तस्वीरें।



